

सेना के पाले में गेंद

पहलगाम हमले के खिलाफ याचिका लेकर पहुंचे लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फटकार लगाकर उचित ही किया है। सर्वोच्च अदालत ने न केवल याचिका कताओं को फटकार ही लगाई बल्कि उनकी याचिका भी बिना सुने लौटा दी। विद्वान न्यायाधीशों का कहना था कि ऐसी याचिकाओं को प्रोत्साहित करने से सैन्य बलों का मनोबल गिरेगा। बास्तव में इस समय भारत-पाकिस्तान के मध्य जो तनावपूर्ण वातावरण चल रहा है उसमें सैन्य बलों की अहम भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ की बैठक में पहलगाम हमले के विश्वद्वय बदले की कार्यवाही के लिए भी सेना को अधिकृत कर दिया गया है। यह सैन्य बलों पर बड़ी जिम्मेदारी है। पूरा देश और पहलगाम में मारे गए पर्टिकों की आत्माएं और उनके मृतकों के परिजन अब न्याय के लिए सेना की ओर नज़रे गढ़ाए हैं। सीओडी की बैठक में निश्चित ही सेना ने प्रधानमंत्री के सामने पाकिस्तान के खिलाफ कार्यवाही के संभावित प्रारूप और रोडमैप रखे गए होंगे, इसीलिए अंततः सेना को स्वतंत्र छूट दी गई। सर्वोच्च स्तर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत पहलगाम नरसंहार का बदला अवश्य लेगा। अब हमारी सेनाओं का आक्रामक प्रहार क्या होगा, यह उसी पल ही सामने आएगा, जब हमला किया जाएगा। भारत अपनी तरफ से युद्ध का आगाज करने नहीं जा रहा है। जो आतंकवाद के चेहरे हैं, निशाने पर सिर्फ वही होने चाहिए। यह पहलगाम हमले में मारे गए लेपिटनेट नरवाल की पती ने भी कहा है कि वे कश्मीरियों और मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्हें न्याय चाहिए। रक्षा विशेषज्ञ अपने लंबे, सैन्य अनुभवों के आधार पर आकलन कर रहे हैं, जल्द आतंकियों के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया ऐजेंसी आईएसआई, वहां की फौज और सेना प्रमुख जनरल मुनीर भारतीय सेनाओं के निशाने पर हो सकते हैं। ये आतंकवाद का के खिलाफ क्रमबद्ध सिलसिला है। भविष्य में सेना के अपरेशन जमीन और हवा के अलावा संभंद से भी किए जा सकते हैं। भारतीय सेनाओं के पास दुश्मन देश की धरती का अच्छी तरह अध्ययन है, यह पछली बार हुई सर्जिकल और एयर स्ट्राइक में भी सामने आया है। यह तथ्य है कि देश सबर सही, पर इस बार सैन्य अंपरेशन व्यापक और बहुधुरीय हो सकता है। पर, यह देश के एकजुट रहने का बक्त है। देश का सबसे बड़ा विपक्षी दल कांग्रेस भी इस मुद्दे पर बिना शर्त सरकार के साथ है। स्वयं राहुल गांधी ने जरूर तप्ते हैं पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की बात की है। कांग्रेस ने इस संबंध में अनर्गल बयानबाजी करने वाले कांग्रेस नेताओं को भी परिपत्र जारी कर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी है। कांग्रेस के ऐसे कदम काबिले तारीफ हैं। अन्य विपक्षी दलों को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। विपक्ष इन मामलों में फिजूल का दबाव सरकार पर न डालें। एक राष्ट्र के तौर पर, संसद के जरिए, आतंकवाद और पाकिस्तान की भूमिका को पुरजोर बेनकाब करने का यह बक्त है। भारत के सैन्य बलों को पलटवार कर प्रतिशोध लेने दें, पीड़ित परिवारों को कुछ तसल्ली मिलने दें। देश सामान्य हो जाएगा, तो सरकार का विरोध जायज होगा।

टिप्पणी का काल !

चल रहा है आजकल !

टिप्पणी का काल !!

बोलना ही कुछ भी !

अब हमको हर हाल !!

ना भाती खामोशी ।

करे भवना शोर ॥

हैं बैठे हम पद पर ।

करे कोई गौर ॥

शब्दों और विचारों की ।

है आई बहार ॥

करे प्राप्त कीं भी ।

यही समाचार ॥

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

करे जरा उपकार ॥

टिप्पणी हामारी ये ।

क्यों जानी बेकार ?

होकर शामिल मुहिम में ।

अभूतपूर्व बंद: मथुरा ने महसूस किया लॉकडाउन वाला सन्नाटा



पूर्णतः सफल हो गया था। इस बीच मथुरा ने राष्ट्रीय प्राप्तिहासिकों का जीवंत उदाहरण पेश किया। हालांकि मथुरा ने बंद की ओटो कर्नहीं रहा था, नहीं पूलसकर्मी बैरियर लगा कर रोक रहे थे। बावजूद इसके बाजारों में सन्नाटा पसरा था और लोग घरों से बाहर नहीं निकले। शायद उन्होंने घर बैठे ही अंदाजा लगा लिया था कि बाजार पूरी तरह बंद है और वाहर निकलने का कोई मतलब नहीं है।

हालांकि शिक्षण संस्थाएं खुलीं, अगर कहीं चलावन थीं तो वह स्कूल कॉलेज ही थे। बाकी सब सन्नाटे के आगोश में था। हालांकि दोपहर दो बजे बाबू इक्का दुकान पीने की दुकानें खुलीं और देखा देखी दूसरी दुकानें भी शाम तक खुल गईं, हालांकि तब तक मथुरा बंद का उद्देश्य

- दुकान बंद रहीं, ठेल ढकेल तक रहीं नदारद
- बंद तो बहाना था
- आतंक के खिलाफ गुरुसा दिखाना था

बाजार बंद करने निकला था। न युवाओं की टोलियां ही बाजार में नारेबाजी करते हुए घूम रहीं थीं। वह राष्ट्रीय भावनाओं से ले बाबरज बंद था जिसे लाख समय तक मथुरा याद रखेंगे। पहलामात्र में हुई आतंकी घटना के विरोध में गुरुवार का बंद के आह्वान का असर सुन्दर मथुरा शहर में एकलूपता से देखने को मिला। शहर के बाबरे इलाकों में भी दुकानें पूरी तरह से बंद थीं। इस बाजार न कोई छड़ा ले कर और नहीं कोई डंडा ले कर

काम, बार भी समर्थन में रहा

मथुरा बार एसोसिएशन के सचिव शिवकुमार लवनिया ने डोंजे, डीएम, प्रधान विवाह न्यायाधीश, पीटार्सेन अधिकारी, एप्परेंटी व जिला उच्चोक्ता फोरम के भेज पत्र में कहा है कि 22 अप्रैल को जम्मू कशीरिय रिश्त घटना के विरोध में आज रजिस्ट्री ऑफिस के बाहर गेट पर ताला लगा दिया। इसके चलते कोई भी रजस्ट्री करने के लिए कार्यालय पर नहीं आया। दस्तावेज लेखक निबंधन समिति के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, संस्कृत सोहनलाल शर्मा, सचिव कैफे के बाबर, उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक एड, ध्राक्राप्रसाद, शम्मा, कारण अधिवकारीय एवं वादकारीय न्यायालय आने में असर्वार्थ हैं। इन सभी हालात को देखते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा एडवोकेट के निर्वाचितुसार गोपनीय भारतीय संघर्ष दिवस तिथि कार्य से विरक्त रहे। इसके चलते गुरुवार को जिला न्यायालय में वकीलों ने कोई काम नहीं कर अपना

विरोध प्रदर्शित किया। रजिस्ट्री कार्यालय में भी दस्तावेज लेखकों ने घटना के विरोध में आज रजिस्ट्री ऑफिस के बाहर गेट पर ताला लगा दिया। इसके चलते कोई भी रजस्ट्री करने के लिए कार्यालय पर नहीं आया। आतंकी घटना के लिए कार्यालय एवं संस्कृत सोहनलाल शर्मा, सचिव कैफे के बाबर, उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक एड, ध्राक्राप्रसाद, शम्मा, कारण अधिवकारीय एवं वादकारीय न्यायालय आने में असर्वार्थ हैं। इन सभी हालात को देखते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा एडवोकेट के निर्वाचितुसार गोपनीय भारतीय संघर्ष दिवस तिथि कार्य से विरक्त रहे। इसके चलते गुरुवार को जिला न्यायालय में वकीलों ने कोई काम नहीं कर अपना

आतंकी घटना के लिए कार्यालय पर ताला लगा दिया है। रिकार्ड नेशनल सोसायटी के बाबर गेट पर ताला लगा दिया है। जिससे वह नाराज है कि बाबर गेट पर कामी दूरी तक बाहर नहीं कहा जाना चाहिए। उनका कहना है कि उनसे शहर के नजदीकी स्कूल में तैनाती का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। उनका कहना है कि उनसे शहर के नजदीकी स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए पैसे भी लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

शिक्षक का आरोप है कि बालिका विहार में दस्तावेज सामान्य एवं विवरण विवाह नियमों के बाबर गेट पर ताला लगा दिया गया है। जिसमें से 1.5 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बिकारखड़ बिजौली के राजगांव परिवारीय स्कूल में तैनाती का बाद किया गया है। और इसके लिए गए थे, लेकिन अब उन्हें दू-बेसिक शिक्षक कार्यालय में जमकर करना चाहिए।

